# राष्ट्रपति के 2026 के अभिभाषण के मुख्य अंश

भारत की राष्ट्रपति सुश्री द्रौपदी मुर्मू ने 28 जनवरी, 2026 को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में सरकार की प्रमुख नीतिगत उपलब्धियों और उद्देश्यों को स्पष्ट किया। संबोधन के मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

## अर्थव्यवस्था

- जीएसटी सुधारों के परिणामस्वरूप नागरिकों को एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है।
- पिछले वर्ष 12 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक की आय को कर से छूट दी गई थी। आयकर कानून को बदल दिया गया था।

## इंफ्रास्ट्रक्चर एवं परिवहन

- पिछले वर्ष लगभग 18,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। अब लगभग पूरी ग्रामीण आबादी सड़कों से जुड़ी हुई है।
- 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं। बंगाल और असम के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू की गईं।
- भारत का मेट्रो नेटवर्क 1,000 किलोमीटर का आंकड़ा पार कर चुका है जिससे यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है।
- पिछले दशक में गरीबों के लिए चार करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं। पिछले वर्ष 32 लाख मकानों का कब्ज़ा लाभार्थियों को सौंपा गया।
- जल जीवन मिशन के पांच वर्षों के दौरान 12.5 करोड़ परिवारों को पाइप से पानी का कनेक्शन दिया गया है। इनमें से एक करोड़ परिवार पिछले वर्ष ही जुड़े हैं।
- पिछले 11 वर्षों में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में 7,200 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा 50,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। इस क्षेत्र में रेलवे के विकास में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है।

## उद्योग एवं वाणिज्य

- उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना ने लगभग दो लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है। 17 लाख करोड़ रुपए से अधिक का उत्पादन किया गया है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स का उत्पादन 11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है जो पिछले 11 वर्षों में छह गुना बढ़ गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 25 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। भारत मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है।
- 2025 में चार और सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों को मंजूरी दी गई। कुल मिलाकर ऐसी 10 इकाइयां कामकाज शुरू करने जा रही हैं।
- शिपिंग क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की गई है। बड़े जहाजों को अब इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्जा दिया गया है। पुराने समुद्री कानूनों को बदल दिया गया है।
- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। देश में लगभग दो लाख स्टार्टअप पंजीकृत हैं जिनमें से लगभग 50,000 पिछले वर्ष पंजीकृत हुए।
- 2025-26 में भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने एक लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया। भारत ने 100 से अधिक देशों को इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्यात शुरू कर दिया है।

## ऊर्जा

- शांति एक्ट को 2047 तक 100 GW परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए लागू किया गया है।
- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगभग 20 लाख रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए गए हैं।
- उज्ज्वला योजना के तहत अब तक 10 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन मिले हैं।

**वैशाली धारीवाल**
vaishali@prsindia.org

31 जनवरी, 2025

## श्रम, कौशल और रोजगार सृजन

- श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए दर्जनों श्रम कानूनों को चार संहिताओं में समाहित किया गया है।
- विकसित भारत जी राम जी कानून (जिसने मनरेगा का स्थान लिया है) गांवों में 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार को सुनिश्चित करेगा। इससे किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को नई सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी।
- मुद्रा योजना के तहत, लघु उद्यमियों को 38 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान की गई है। पहली बार स्वरोजगार शुरू करने वालों को लगभग 12 करोड़ ऋण वितरित किए गए हैं।
- प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 3.5 करोड़ से अधिक नई नौकरियां सृजित की गई हैं।
- पंजीकृत दो लाख स्टार्टअप्स में 2 लाख से अधिक युवा रोजगार प्राप्त हैं।
- पीएम सेतु योजना के तहत 1,000 से अधिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के अपग्रेडेशन पर 60,000 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।
- सेमीकंडक्टर उद्योग में 60,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 20 लाख से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण और बैंकिंग सहायता मिली है।
- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 72 लाख रेहड़ी पटरी वालों (स्ट्रीट वेंडर्स) को 16,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है।
- अनुसंधान और नवाचार को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, अटल इनोवेशन मिशन और अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है।

## स्वास्थ्य

- आयुष्मान भारत योजना के तहत, 2025 तक 11 करोड़ से अधिक मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान किए जा चुके हैं। इनमें से 2.5 करोड़ उपचार पिछले वर्ष प्रदान किए गए।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत, बीमा कवर देने के लिए 24,000 करोड़ रुपए से अधिक की बीमा राशि का भुगतान किया जा चुका है।
- पिछले 18 महीनों में लगभग एक करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना कार्ड प्राप्त हुए हैं। लगभग आठ लाख वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्राप्त हुआ है।
- देशभर में लगभग 1.8 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं।
- सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत 6.5 करोड़ से अधिक नागरिकों की जांच की जा चुकी है।

## कृषि

- पिछले वर्ष 350 मिलियन टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन हुआ। लगभग 150 मिलियन टन चावल का उत्पादन हुआ।
- कृषि अवसंरचना कोष ने 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निजी निवेश आकर्षित किया है।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को चार लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।
- 2024-25 में मछली उत्पादन लगभग 200 लाख टन तक पहुंच गया।
- तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले मछुआरों को विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के लाभ प्रदान करने के लिए एक नई नीति तैयार की गई है।

## सामाजिक न्याय

- पिछले दशक में 25 करोड़ नागरिक गरीबी के गर्त से बाहर निकले हैं।
- पिछले वर्ष प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से लाभार्थियों को 6.75 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है।
- लगभग 95 करोड़ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्राप्त है।
- प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आदिवासी

गांवों में 25 लाख से अधिक मकान उपलब्ध कराए गए हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के साथ इन दोनों योजनाओं पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं।

- पिछले 11 वर्षों में अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों को 42,000 करोड़ रुपए की छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं।
- आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए 400 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं।

## महिला सशक्तीकरण

- लगभग 10 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है।
- पिछले वर्ष 60 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनीं जिससे देश में लखपति दीदियों की संख्या बढ़कर दो करोड़ हो गई है।
- 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत लगभग सात करोड़ महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच करवाई है।
- महिला कैडेटों का पहला बैच राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक हुआ।

## गवर्नेंस

- जन विश्वास एक्ट, 2025 के जरिए 300 से अधिक अपराधों को डीक्रिमिनलाइज किया गया है।

## रक्षा एवं आंतरिक मामले

- माओवादी प्रभाव वाले जिलों की संख्या 126 से घटकर आठ हो गई है। इनमें से केवल तीन जिले ही सबसे अधिक प्रभावित हैं। पिछले वर्ष लगभग 2,000 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।
- 2025 में भारत का रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। रक्षा निर्यात 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक रहा।

**डिस्क्लेमर:** प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।